[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1979 **G**

Unique Paper Code : 2131001001

Name of the Paper : Advance Neeti Literature in Sanskrit (Sanskrit-A)

Name of the Course : **AEC**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. कथाकाव्य की परम्परा में नीतिकाव्य की विशेषताओं का निरूपण कीजिए। (15)

Describe the features of Nitikavya in the tradition of Kathakavya.

अथवा / OR

नीतिकाव्य की परम्परा पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the tradition of Nitikavya.

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : (2×7=14)

Write notes of **any two** of the following :

(i) मित्रसम्प्राप्ति

(Mitrasamprapti)

(ii) सुहृद्भेद

(Suhridbheda)

(iii) कथासरित्सागर

(Kathasaritsagar)

(iv) चाणक्यनीति

(Chanakyaniti)

3. निम्नलिखित में से **किसी एक** का अनुवाद कीजिए : (5)

Translate **any one** of the following :

(i) किं तेन जातु जातेन मातुर्यौवनहारिणा ।
आरोहयति न यः स्वस्य वंशस्यार्थे ध्वजो यथा ।।

(ii) जातस्य नदीतीरे तस्यापि तृणस्य जन्मसाफल्यम् ।
यत्सलिलमज्जनाकुलजनहस्तालम्बनं भवति ।।

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8)

Explain with reference to the context of **any one** of the following :

(i) पूज्यते यदपूज्योऽपि यदगम्योऽपि गम्यते ।
वन्द्यते यदवन्द्योऽपि स प्रभावो धनस्य च ।।

(ii) यस्मिन्जीवति जीवन्ति बहवः सोऽत्र जीवतु ।
वयांसि कि न कुर्वन्ति चञ्च्वा स्वोदरपूरणम् ।।

5. प्रश्न संख्या 3 एवं 4 के रेखांकित पदों में से **किन्हीं तीन** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (3×1=3)

P.T.O.

Write grammatical notes on **any three** of the underlined words given in Question No. 3 and 4.

6. पंचतन्त्र के मित्रभेद की प्रथम कथा का सार अपने शब्दों में लिखिए। (15)

Write the summary of the first story of Mitrabheda of Panchtantra in own words.

अथवा / OR

पंचतन्त्र के पठित अंश के आधार पर धनप्राप्ति के उपायों का विवेचन कीजिए।

Describe the resources of earning wealth (धन) on the basis of the reading excerpts of Panchtantra.

(2)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 557 **G**

Unique Paper Code : 2132101101

Name of the Paper : Applied Sanskrit

Name of the Course : **B.A. (Hon.) SANSKRIT**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – अ / PART – A

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए : (1×5=5)

Disjoin Sandhis in **any five** of the following:

लाकृति:, नरेश:, चन्द्रोदय:, सदैव, शयनम्, पावक:, जगदीश:, निश्शब्द:

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पदों में सन्धि कीजिए : (1×5=5)

Form Sandhis in **any five** of the following :

अति + उत्तम:, गिरि + इन्द्र:, महा + उदय:, गै + अक:, इत: + तत:, भो + अनम्, तत् + टीका

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** समस्तपदों का विग्रह कीजिए : (2×5=10)

Separate compound-words in **any five** of the following :

उपकृष्णम्, यथाशक्ति, भूतबलि:, घनश्याम:, दशानन:, अब्राह्मण:, चोरभयम्, कृष्णार्जुनौ

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं छह** रेखांकित पदों में विभक्ति बताइए : (2×6=12)

Identify the case-ending in **any six** of the following underlined words :

(i) ग्रामम् परित: नदी अस्ति।

(ii) रामेण सह सीता गच्छति।

(iii) अक्ष्णा काण:।

(iv) स: बालकाय मोदकं ददाति।

(v) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।

(vi) स: चौरात् बिभेति।

(vii) क्रोशं कुटिला नदी।

(viii) तिलेषु तैलं भवति।

(ix) रामस्य पुत्र: गच्छति।

5. (क) निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पदों के प्रकृति-प्रत्यय का निर्देश कीजिए : (1×5=5)

Disjoin root and suffix of **any five** of the following words :

पातव्यम्, हतवान्, भीतः, लब्धम्, गन्तव्या, पठन्, पचमानः, भूत्वा, आगत्य, कर्त्तुम्

(ख) निम्नलिखित प्रकृति-प्रत्ययों को जोड़कर **पाँच** पदों का निर्माण कीजिए : (1×5=5)

Form **any five** words by joining root and suffix from the following :

नी + तव्यत्, पठ् + अनीयर्, कृ + तव्यत्, भक्ष् + अनीयर्, पा + क्त, कम्प् + क्तवतु, सेव् + शानच्, दृश् + क्त्वा, आ+ दा + ल्यप्, पा + तुमुन्

खण्ड – ब / PART – B

6. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं आठ शब्दों के रूप निर्देशानुसार लिखिए : (1×8=8)

Write the form of **eight** words of the following as directed :

(i) राम, चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ii) कवि, तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(iii) शिशु, प्रथमा विभक्ति, बहुवचन

(iv) पितृ, द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(v) लता, चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(vi) वाक्, सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(vii) फल, द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(viii) युष्मद्, प्रथमा विभक्ति, बहुवचन

(ix) अस्मद्, द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(x) तत्, पुल्लिग, तृतीया विभक्ति, बहुवचन

7. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** क्रियापदों के धातु, लकार, पुरुष तथा वचन बताइए : (2×5=10)

Identify the Root (धातु), Lakar (लकार), Person (पुरुष) and Number (वचन) of **any five** of the following verbal forms :

चुर्मः, गृहाण, दास्यामः, स्यात्, गच्छानि, अपश्यः, लिष्ठे, सेवस्व

खण्ड – स / PART – C

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : (2×5=10)

Translate **any five** of the following sentences in to Sanskrit :

(i) हम लोग दौड़ते हैं।

We run.

(ii) वह कलम से लिखता है।

He write with a pen.

(iii) तुमलोग गाँव से आते हो।

You come from the village.

(iv) वे लोग कहाँ गये?

Where did they go?

(v) मैं वहाँ जाऊँगा।

I will go there.

(vi) यहाँ पाँच छात्र हैं।

Five students are here.

(vii) उसे पढ़ना चाहिए।

He should read.

(viii) मैंने खाना खाया।

I ate food.

9. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** वाक्यों को शुद्ध कीजिए : (2×5=10)

Correct **any five** of the following sentences:

(i) चत्वार: बालका: अस्ति।

(ii) वयं पुस्तक पठयानि।

(iii) त्वं राज्यं रक्षति।

(iv) ग्रामस्य निकषा वनं अस्ति।

(v) हरिं नमः।

(vi) रामाय विना अयोध्या शून्या।

(vii) माम् मोदकं रोचते।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच में वाच्यपरिवर्तन कीजिए : (2×5=10)

Change the voice in **any five** of the following :

(i) सः पाठं पठति।

(ii) विद्या विनयं ददाति।

(iii) मया त्वं दृश्यसे।

(iv) शिशुना पयः पीयते।

(v) वयम् तिष्ठामः।

(vi) रामः रावणम् हतवान्।

(vii) रामेण जीयते।

(viii) अहं त्वाम् पश्यामि।

Dec-2023

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5289 **G**

Unique Paper Code : 12131101

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Poetry)

Name of the Course : **B.A. (Hons) Sanskrit**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (3)

Translate the following :

रघूणामन्वयं वक्ष्ये तनुवाग्विभवोऽपि सन् ।
तद्गुणैः कर्णमागत्य चापलाय प्रचोदितः।।

अथवा / OR

प्रजानां विनयाधानाद्रक्षणाद्भरणादपि ।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः ॥

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः ।
हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा ॥

अथवा / OR

व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुर्महाभुजः ।
आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाश्रितः ॥

2. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4)

Translate the following :

अथानुरूपाभिनिवेशतोषिणा कृताभ्यनुज्ञा गुरुणा गरीयसा।
प्रजासु पश्चात्प्रथितं तदाख्यया जगाम गौरी शिखरं शिखण्डिमत्।।

अथवा / OR

विरोधिसत्त्वोज्झितपूर्वमत्सरं द्रुमैरभीष्टप्रसवार्चितातिथि।
नवोटजाभ्यन्तरसंभृतानलं तपोवनं तच्च बभूव पावनम् ।।

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

पुनर्ग्रहीतुं नियमस्थया तया द्वयेऽपि निक्षेप इवार्पितं द्वयम्।
लतासु तन्वीषु विलासचेष्टितं विलोलदृष्टं हरिणाङ्गनासु च।।

अथवा / OR

अथाजिनाषाढधरः प्रगल्भवाग् ज्वलन्निव ब्रह्ममयेन तेजसा।
विवेश कश्चिज्जटिलस्तपोवनं शरीरबद्धः प्रथमाश्रमो यथा।।

3. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4)

Translate the following :

निसर्गदुर्बोधमबोधविक्लवाः क्व भूपतीनां चरितं क्व जन्तवः ।
तवानुभावोऽयमवेदि यन्मया निगूढतत्त्वं नयवर्त्म विद्विषाम् ।।

अथवा / OR

अनेकराजन्यरथाश्वसंकुलं तदीयमास्थाननिकेतनाजिरम्।
नयत्ययुग्मच्छदगन्धिरार्द्रतां भृशं नृपोपायनदन्तिनां मदः।।

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

तथापि जिह्मः स भवज्जिगीषया तनोति शुभ्रं गुणसम्पदा यशः।
समुन्नयन्भूतिमनार्यसंगमाद् वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः।।

अथवा / OR

महौजसो मानधना धनार्चिता धनुर्भृतः संयति लब्धकीर्त्तयः ।
न संहतास्तस्य न भिन्नवृत्तयः प्रियाणि वाञ्छन्त्यसुभिः समीहितुम् ।।

4. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4)

Translate the following :

लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्,
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।
कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेत्,
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत् ।।

अथवा / OR

साहित्यसंगीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।
तृणं न खादन्नपि जीवमानः तद्भागधेयं परमं पशूनाम् ।।

(ख) निम्नलिखित की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following in Sanskrit :

अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः ।
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि च तं नरं न रञ्जयति ।।

P.T.O.

अथवा / OR

अम्भोजिनीवनविहार विलासमेव,
हंसस्य हन्ति नितरां कुपितो विधाता ।
न त्वस्य दुग्धजलभेदविधौ प्रसिद्धां,
वैदग्ध्यकीर्तिमपहर्तुमसौ समर्थः ॥

5. किन्हीं **चार** पर व्याकरण सम्बन्धी टिप्पणी लिखिए : (4×2=8)

Write grammatical notes on any **four** of the following :

श्रोतुम्, तनोति, गुरुणा, लतासु, ज्वलन्, नयति, लभेत्, हन्ति ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (8×2=16)

Answer any **two** of the following questions :

(क) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the content of the first canto of Kirataijuniyam.

(ख) पार्वती की तपस्या का वर्णन कुमारसम्भवम् के पंचम सर्ग के आधार पर कीजिए।

Describe penance of parvati on the basis of 5th canto of Kumarsambhavam.

(ग) रघुवंशम् के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

Write the gist of first canto of Raghuvansham.

(घ) भर्तृहरि के अनुसार "विद्वत्-पद्धति" का वर्णन कीजिए।

Describe the according to Bhartrihari.

(ङ) कालिदास का कवि के रूप में मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate Kalidasa as a poet.

7. संस्कृत-गीतिकाव्य के उद्भव एवं विकास पर निबन्ध लिखिए। (12)

Write an essay on the origin and development of Sanskrit Geeti Kavya.

अथवा / OR

महाकाव्य के उद्भव का उल्लेख करते हुए श्रीहर्ष एवं अश्वघोष के महाकाव्यों पर टिप्पणी लिखिए।

Discussing the origin of Sanskrit Mahakavyas, write a note on the Mahakavyas of Shrecharsh and Ashvaghosha.

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 604 **G**

Unique Paper Code : 2132101102-DSC2

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry

Name of the Course : **B.A. (Hons.) SANSKRIT**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों का अनुवाद कीजिए :

(6×2=12)

Translate any **two** of the following verses :

(i) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडय-

न्पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः ।

कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादये-

न्नतुप्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमारा धयेत् ॥

(ii) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नमनोरथा सती ।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता ॥

(iii) द्विषां विघाताय विधातुमिच्छतो रहस्यनुज्ञामधिगम्य भूभृतः ।

स सौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चितार्थामिति वाचमाददे ॥

(iv) व्यालं बालमृणालतन्तुभिरसौ रोद्धुं समुज्जृम्भते

छेत्तुं वज्रमणीञ्छिरीषकुसुमप्रान्तेन संनह्यते ।

माधुर्यं मधुबिन्दुना रचयितुं क्षाराम्बुधेरीहते

नेतुं वाञ्छति यः खलान्पथि सतां सूक्तैः सुधास्यन्दिभिः ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(9×2=18)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(i) साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।

तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम् ॥

(ii) निशम्य चैनां तपसे कृतोद्यमां सुतां गिरीशप्रतिसक्तमानसाम् ।

उवाच मेना परिरभ्य वक्षसा निवारयन्ती महतो मुनिव्रतात् ॥

P.T.O.

(iii) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ॥

(iv) अनेकराजन्यरथाश्वसंकुलं तदीयमास्थाननिकेतनाजिरम् ।

नयत्ययुग्मच्छदगन्धिरार्द्रतां भृशं नृपोपायनदन्तिनां मदः ॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (9)

Explain any **one** of the following in Sanskrit:

(i) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः ।

(ii) विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ।

(iii) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (12×3=36)

Answer any **three** of the following :

(i) नीतिशतक के अनुसार 'मूर्खपद्धति' का वर्णन कीजिए।

Explain 'मूर्खपद्धति' according to Nitishatakam.

अथवा / OR

नीतिशतक में वर्णित नैतिक शिक्षा वर्तमान समाज के लिए अत्यधिक उपयोगी है – इस कथन का परीक्षण कीजिए।

The moral education described in Nitishatakam is very useful to the present society – Examine this statement.

(ii) कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठित अंश के आधार पर पार्वती के गुणों का वर्णन कीजिए।

Describe the virtues of Parvati on the basis of the mentioned text of the fifth canto of Kumarsambhavam.

P.T.O.

अथवा / OR

कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठितांश के अनुसार पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए।

Describe the penance of Parvati according to the mentioned text of the fifth canto of the Kumarsamabhavam.

(iii) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के अनुसार वनेचर की उक्ति को अपने शब्दों में लिखिए।

Write the statement of Vanechara according to the First Canto of the Kiratarjuniyam in your own words.

अथवा / OR

'भारवेरर्थगौरवम्' - कथन की समीक्षा कीजिए।

Examine the statement – 'भारवेरर्थगौरवम्'.

5. संस्कृत महाकाव्यों के उद्भव और विकास की विवेचना कीजिए। (15)

Describe the origin and development of Sanskrit Mahakavya.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Write detail notes on any **two** of the following :

(i) जयदेव

(Jayadeva)

(ii) अमरुशतक

(Amrushatak)

(iii) भर्तृहरि

(Bhartrihari)

(iv) विल्हण

(Bilhana)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2051 **G**

Unique Paper Code : 2131002006

Name of the Paper : Course C: (Introductory) Culture and Society

Name of the Course : **Common Prog. Group - AEC**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. There are 3 parts in this question paper. **All** the parts are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं । सभी खण्ड अनिवार्य हैं ।

भाग – (क) / Part – A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का उत्तर दीजिए । (6×3=18)

Answer any **Three** Questions of the following :

(i) भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता के तत्त्वों पर प्रकाश डालिए ।

Throw light on the spirituality of Indian culture.

(ii) ईशावास्योपनिषद् के प्रथम मंत्र का वर्णन करिए ।

Describe the first Mantra of Ishavasyopnishad.

(iii) कौटिल्य के योगदानों का वर्णन करिए ।

Discuss the contribution of Kautilya.

(iv) महात्मा गांधी के मौलिक विचारों का वर्णन करिए ।

Discuss the fundament thoughts of Mahatma Gandhi.

(v) स्वामी विवेकानन्द के सामाजिक दृष्टिकोणों का वर्णन करिए ।

Discuss the social approaches of Swami Vivekananda.

भाग – (ख) / Part – B

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी करिए । (4×3=12)

Write short notes on any **three** of the following :

(i) श्रीमद्भगवद्गीता

Srimadbhagwadgita

(ii) सत्य

Truth

(iii) अहिंसा

Ahimsa

(iv) मनु

Manu

(v) स्वामी दयानन्द सरस्वती

Swami Dayanand Saraswati

भाग – (ग) / Part – C

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का उत्तर दीजिए। (10×3=30)

Answer any **Three** Questions of the following :

(i) ईशावास्योपनिषद् के महत्त्व का वर्णन करिए।

Discuss the importance of Ishavasyopnishad.

(ii) श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार स्थितप्रज्ञता का वर्णन करिए।

Discuss the Sthitapragyata as described in the Srimadbhagwadgita.

(iii) ऋग्वेद में वर्णित संज्ञान सूक्त के महत्त्व का प्रतिपादन करिए।

Discuss the importance of Sanjnana Sukta of Rigveda.

(iv) एक सामाजिक चिंतक के रूप में गौतम बुद्ध के विचारों का वर्णन करिए।

Discuss the thoughts of Gautam Buddha as a social thinker.

(v) महात्मा गांधी के सामाजिक चिंतन का वर्णन करिए।

Discuss the social thinking of Mahatma Gandhi.

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2070 **G**

Unique Paper Code : 2131002006

Name of the Paper : Course C: (Introductory) Culture and Society

Name of the Course : **Common Prog. Group – AEC**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. There are **3** parts in this question paper. **All** the parts are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. इस प्रश्नपत्र में **तीन** खण्ड हैं । **सभी** खण्ड अनिवार्य हैं ।

भाग (क) / Part A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का उत्तर दीजिए : (6×3=18)

Answer any **Three** Questions of the following :

(i) स्थितप्रज्ञ से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by Sthitapragya?

(ii) ईशावास्योपनिषद् के प्रथम मंत्र का वर्णन करिए।

Describe the first Mantra of Ishavasyopnishad.

(iii) कौटिल्य के योगदानों का वर्णन करिए।

Discuss the contribution of Kautilya.

(iv) महात्मा गांधी के मौलिक विचारों का वर्णन करिए।

Discuss the fundament thoughts of Mahatma Gandhi.

(v) स्वामी विवेकानन्द के सामाजिक दृष्टिकोणों का वर्णन करिए।

Discuss the social approaches of Swami Vivekananda.

भाग (ख) / Part B

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी करिए : (4×3=12)

Write short notes on any **three** of the following :

(i) श्रीमद्भगवद्गीता

Srimadbhagwadgita

(ii) संज्ञान सूक्त

Sanjnana Sukta

(iii) सत्य

Truth

(iv) मनु

Manu

(v) स्वामी दयानन्द सरस्वती

Swami Dayanand Saraswati

भाग (ग) / Part C

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का उत्तर दीजिए : (10×3=30)

Answer any **Three** Questions of the following :

(i) ईशावास्योपनिषद् के महत्त्व का वर्णन करिए।

Discuss the importance of Ishavasyopnishad.

(ii) श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार स्थितप्रज्ञता का वर्णन करिए।

Discuss the Sthitapragyata as described in the Srimadbhagwadgita.

(iii) ऋग्वेद में वर्णित संज्ञान सूक्त के महत्त्व का प्रतिपादन करिए।

Discuss the importance of Sanjnana Sukta of Rigveda.

(iv) एक सामाजिक चिंतक के रूप में कौटिल्य के विचारों का वर्णन करिए।

Discuss the thoughts of Kautilya as a social thinker.

(v) महात्मा गांधी के सामाजिक चिंतन का वर्णन करिए।

Discuss the social thinking of Mahatma Gandhi.

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5632 **G**

Unique Paper Code : 12131102

Name of the Paper : Critical Survey of Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (H), Core, LOCF**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. There are total **8** questions in this question paper. Attempt any **5** questions. Each question contains equal marks.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. इस प्रश्नपत्र में कुल 8 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. ऋग्वेद में वर्णित धर्म और दर्शन पर प्रकाश डालिए।

   Throw light on the religion and philosophy mentioned in Rigveda.

2. वेदांगों के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।

   Described the importance of Vedangas.

3. आदिकाव्य के रूप में रामायण का निरूपण कीजिए।

   Evaluate Ramayan as an Adikavya.

4. महाभारत के सांस्कृतिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

   Throw light on the cultural importance of Mahabharat.

5. पुराणों के वर्ण्य-विषय का विवेचन कीजिए।

   Discuss the subject matter of the Puranas.

6. रस संप्रदाय पर एक निबन्ध लिखें।

   Write an essay on the school of Ras.

7. बौद्ध दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

   Describe the major disciplines of baudha philosophy.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (कोई **एक** टिप्पणी संस्कृत में करें)

   Write a short note on any **three** of the following : (Make any **one** comment in **Sanskrit**.)

   (i) पाणिनि

   (Panini)

(ii) महर्षि पतंजलि

(Maharishi Patanjali)

(iii) चार्वाक दर्शन

(Charvak Darshan)

(iv) वेदांत दर्शन

(Vedanta philosophy)

(v) पूर्वमीमांसा

(Purvmimansa)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 630 **G**

Unique Paper Code : 2132101103

Name of the Paper : Indian Social Institutions and Polity

Name of the Course : **B.A. (H), DSC-3**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. There are total **7** questions in this question paper. Attempt any **5** questions. Each question contains equal marks.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. इस प्रश्नपत्र में कुल 7 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अंक समान हैं।

1. धर्म का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके भेदोपभेदों का वर्णन करें।

Discuss the nature of Dharma and its different types.

2. पुरुषार्थ चतुष्टय का वर्णन करें।

Describe Purushartha Chatushtaya.

3. वर्ण व्यवस्था का वर्णन करें।

Discuss the Varna System.

4. प्राचीन भारत में नारी की स्थिति का मूल्यांकन करें।

Evaluate the position of women in Ancient India.

5. कौटिलीय अर्थशास्त्र के अनुसार कल्याणकारी राजव्यवस्था की अवधारणा का वर्णन करें।

Discuss the concept of Welfare State, according to Kautilya's Arthasastra.

6. षाड्गुण्य सिद्धान्त का वर्णन करें।

Describe the theory of Shadgunya.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी करें:

Write notes on any **three** of the following:

(क) सप्ताङ्ग सिद्धान्त (Principle of Saptanga)

(ख) मण्डल सिद्धान्त (Mandala Theory)

(ग) कौटिल्य (Kautilya)

(घ) शुक्राचार्य (Sukracarya)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1980 **G**

Unique Paper Code : 2131002002

Name of the Paper : Sanskrit B : Introductory Upanishad and Geeta

Name of the Course : **Common Prog. Group - AEC**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll Number on the top immediately on receipt of this question paper.

2. **All** questions are compulsory.

3. Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न पत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

Answer any **three** of the following questions : (15×3=15)

(क) उपनिषद्-दर्शन पर निबंध लिखिए।

Write an essay on philosophy of the Upanisad.

(ख) गीता के अनुसार "कर्मयोग" की व्याख्या करें।

Explain "Karmyoga" according to Geeta.

(ग) गीता भारतीय मनोविज्ञान का आधारभूत ग्रंथ है, व्याख्या करें।

The Geeta is the basic source of Indian Psychology, Explain it.

(घ) गीता के अनुसार आत्मा क्या है?

What is "Atma" according to Geeta.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **three** of the following :

(क) विद्या

Vidya

(ख) सत्

Sat

(ग) भक्ति-योग

Bhaktiyog

(घ) ईशावास्योपनिषद्

Ishavashyopnishad (5×3=15)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1995 **G**

Unique Paper Code : 2131002002

Name of the Paper : Sanskrit B : Introductory Upanishad and Geeta

Name of the Course : **Common Prog. Group - AEC**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll Number on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न पत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : (15×3=45)

Answer any **three** of the following questions :

(क) ईशावास्योपनिषद् के अनुसार "विद्या-अविद्या" पर निबंध लिखिए।

Write an essay on "Vidya-Avidya" according to Ishavasyopnishad.

(ख) गीता के अनुसार "भक्तियोग" की व्याख्या करें।

Explain "Bhaktiyog" according to Geeta.

(ग) गीता भारतीय मनोविज्ञान का आधारत ग्रंथ है, व्याख्या करें।

The Geeta is the basic source of Indian Psychology, Explain it.

(घ) गीता के अनुसार "ज्ञानयोग" क्या है?

What is "Gyanyog" according to Geeta.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (5×3=15)

Write short notes on any **three** of the following :

(क) सत्

Sat

(ख) कर्मयोग

Karmyog

(ग) स्थित-प्रज्ञ

1995 4

Sthitpragya

(घ) ईशावास्योपनिषद्

Ishavashyopnishad

(1000)

This question paper contains 3 printed pages.

Roll No. :

Sl. No. of Question Paper	:	1981
Unique Paper Code	:	2131001003
Name of the Paper	:	Sanskrit C: Introduction to Sanskrit Language
Name of the Course	:	AEC
Semester	:	1
Duration	:	2 Hours
Maximum Marks	:	60

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

छात्रों के लिए निर्देश

1 इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं।

Instructions for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

3. There are total 6 questions in this question paper.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
All the questions are compulsory.

1. कर्ता कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (5)
Explain with example Kartā Kāraka.

अथवा / (OR)

करण कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
Explain with example Karaṇa Kāraka.

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखिए: (5×1=5)
Write the specific form of any **five** of the following words:

(i) राम - षष्ठी विभक्ति (Rama - Ṣaṣṭhī Vibhakti)
(ii) लता - सप्तमी विभक्ति (Latā – Saptami Vibhakti)
(iii) युष्मद् द्वितीया विभक्ति (Yuṣmad – Dvitīyā Vibhakti)
(iv) सर्व (स्त्रीलिंग) चतुर्थी विभक्ति (Sarva (Strīlinga) – Caturthī Vibhakti)
(v) मति तृतीया विभक्ति (Mati – Tṛtiyā Vibhakti)
(vi) गुरु पञ्चमी विभक्ति (Guru – Pañcamī Vibhakti)
(vii) धन प्रथमा विभक्ति (Dhana – Prathamā Vibhakti)

(ङ) निम्नलिखित किन्हीं **पांच** पदों का विभक्ति एवं वचन लिखिए: (5×1 = 5)

Write the Vibhakti and Vacana of any **five** of the following:

(i) लतायै (Latāyai)

(ii) तयोः (Tayoḥ)

(iii) पुष्पाणाम् (Puṣpāṇām)

(iv) गुरौ (Gurou)

(v) कस्मिन् (Kasmin)

(vi) सर्वासु (Sarvāsu)

(viii) ज्ञाने (Jñāne)

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** धातुओं के निर्देशानुसार रूप लिखिए: (5x1-5)

Write the specific form of any **five** of following verbs:

(i) पठ् – लङ् लकार ,मध्यम पुरुष (Paṭh – Laṅg Lakāra, Madhyama Puruṣa)

(ii) लिख् – लृट् लकार, उत्तम पुरुष (Likh – Lṛṭ Lakāra, Uttama Puruṣa)

(iii) खाद् – लट् लकार, प्रथम पुरुष (Khād - Laṭ Lakāra, Prathama Puruṣa)

(iv) स्था – लट् लकार, प्रथम पुरुष (Sthā - Laṭ Lakāra, Prathama Puruṣa)

(v) गम् – लृट् लकार, उत्तम पुरुष (Gam – Lṛṭ Lakāra, Uttama Puruṣa)

(vi) पच् – लङ् लकार, मध्यम पुरुष (Pac – Laṅg Lakāra, Madhyama Puruṣa)

(vii) दा – लट् लकार, उत्तम पुरुष (Dā - Laṭ Lakāra, Uttama Puruṣa)

(घ) किन्हीं **पांच** धातु रूपों का लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए: (5×1= 5)

Write the Lakāra, Puruṣa and Vacana of any **five** of the following:

अचलत् (Acalat), दास्यसि (Dāsyasi), आसन् (Āsan), गायामः (Gāyāmaḥ), स्थास्यावः (Sthāsyāvaḥ), अखादत् (Akhādat), पचावः (Pacāvaḥ)

3. निम्नलिखित किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : (5 x 2 = 10)

Translate any **five** sentences into Sanskrit out of the following:

(i) तुम दोनों कब जाओगे ? (When will both of you go?)

(ii) तुम फल खाते हो। (You eat fruits.)

(iii) वे पत्र लिखती हैं । (They (Girls) write letters.)

(iv) मैंने आज एक लेख लिखा । (I wrote an article today.)

(v) तुम कहाँ भोजन पकाते हो ? (Where do you cook food?)

(vi) वे काश्मीर जाएंगे । (They will go to Kashmir.)

(vii) वह वहाँ हँसता है । (He laughs there.)

4. रेखांकित पदों में से किन्हीं **पांच** पदों में विभक्ति पहचान कीजिए: (5×1 = 5)
Identify the inflection in any **five** of the following sentences:

(i) लता गृहं गच्छति । (Latā gṛhaṁ gacchati.)
(ii) उद्यानम् उभयतः वृक्षाः सन्ति । (Udyānaṁ ubhyataḥ vṛkṣāḥ santi.)
(iii) देवदत्तः गृहे दण्डेन चलति । (Devadattaḥ gṛhe daṇḍena calati.)
(iv) बालकः सिंहात् बिभेति । (Bālakaḥ simhāt bibheti.)
(v) प्रजायै स्वस्ति । (Prajāyai svasti.)
(vi) इदं रमायाः पुस्तकम् अस्ति । (Idaṁ Ramāyaḥ pustakam asti.)
(vii) नृपः दुर्जनेभ्यः अलम् । (Nṛpaḥ durjanebhyaḥ alam.)
(viii) सर्वस्मिन् ईश्वरः अस्ति। (Sarvasmin Iśvaraḥ asti.)

5. निम्नलिखित अव्ययों में से किन्हीं **दो** अव्ययों को चुनकर वाक्य निर्माण कीजिए: (2x1= 2)
With the help of any **two** of the following form Sanskrit sentences:
यथा (Yathā), तत्र (Tatra), कथम् (Katham) , अद्य (Adya)

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए: (5 x 2 = 10)
Fill in the blanks in any **five** of the following:

(i) देवदत्तः लेखम् _____ (अलिखः , अलिखन् , अलिखत्)
Devadattaḥ Lekhaṁ _____ (alikhaḥ, alikhan, alikhat)
(ii) लता कदा भोजनं _____ (पचति, पचसि, पचामि)
Latā kadā bhojanaṁ _____ (pacati, pacasi, pacāmi.)
(iii) वयम् उपवने _____ (भ्रमन्ति, भ्रमामि, भ्रामः)
Vayaṁ upavane _____ (bhramanti, bhramāmi, bhramāmaḥ.)
(iv) सा गृहं _____ (गच्छति, गच्छ, गच्छताम)
Sā gṛhaṁ _____ (gacchati, gaccha, gacchatām.)
(v) काकः जलं _____ (पिबसि, पिबामि, पिबति)
Kākaḥ jalaṁ _____ (pibasi, pibāmi, pibati.)
(vi) बालकाः गुरुं _____ (नमति, नमन्ति, नमसि)
Bālakāḥ guruṁ _____ (namati, namanti, namasi.)
(vii) ते भोजनं कदा _____ (खादिष्यन्ति, खादिष्यामि, खादिष्यसि)
Te bhojanaṁ kadā _____ (khādiṣyanti, khādiṣyāmi, khādiṣyasi.)

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** को शुद्ध कीजिए: (4×2= 8)
Correct any **four** of the following:

(i) अहं पुस्तकं पठामः । (Ahaṁ pustakaṁ pathāmaḥ.)
(ii) भवती सत्यं वदसि । (Bhavatī satyaṁ vadasi.)
(iii) यत्र गच्छन्ति तत्र हसति । (Yatra gacchanti tatra hasati.)
(iv) त्वं राज्यस्य रक्षसि । (Tvaṁ rājyasya rakṣasi.)
(v) त्वं लिखामि । (Tvaṁ likhāmi.)
(vi) युवां पुस्तकं पठसि । (Yuvāṁ pustakaṁ paṭhasi.)

[This question paper contains 12 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2048 **G**

Unique Paper Code : 2131002003

Name of the Paper : Sanskrit C: Introduction to Sanskrit Language

Name of the Course : **AEC**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. There are total **6** questions in this question paper.
4. **All** the questions are compulsory.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं।

4. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कर्ता कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (5)

Explain with example Kartā Kāraka.

अथवा / OR

कर्म कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Explain with example Karma Kāraka.

2. (क) निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखिए : (5×1=5)

Write the specific form of **any five** of the following words :

(i) जल - सप्तमी विभक्ति

(Jala – Saptamī Vibhakti)

(ii) मति - षष्ठी विभक्ति

(Mati – Ṣaṣṭhī Vibhakti)

(iii) तत् - पञ्चमी विभक्ति

(Tat – Pañcamī Vibhakti)

(iv) पुष्प - चतुर्थी विभक्ति

(Puṣpa – Caturthī Vibhakti)

(v) ज्ञान - तृतीया विभक्ति

(Jnāna – Tṛtiyā Vibhakti)

(vi) किम् - द्वितीया विभक्ति

(Kim – Dvitīyā Vibhakti)

(vii) हरि - प्रथमा विभक्ति

(Hari – Prathamā Vibhakti)

(ख) निम्नलिखित **किन्हीं पांच** पदों का विभक्ति एवं वचन लिखिए : (5×1=5)

Write the Vibhakti and Vacana of **any five** of the following :

(i) रामे (Rāme)

(ii) लतायाः (Latāyaḥ)

(iii) युष्मत् (Yuṣmat)

(iv) सर्वस्मै (Sarvasmai)

(v) धनेन (Dhanena)

(vi) गुरुम् (Gurum)

(vii) मतिः (Matiḥ)

(ग) निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** धातुओं के निर्देशानुसार रूप लिखिए : (5×1=5)

Write the specific form of **any five** of following verbs :

(i) पच् - लट् लकार, प्रथम पुरुष

(Pac – Laṭ Lakāra, Prathama Puruṣa)

(ii) वर्ष् - लङ् लकार, मध्यम पुरुष

(Varṣ – Laṁg Lakāra, Madhyama Puruṣa)

(iii) दा - लृट् लकार, उत्तम पुरुष

(Da – Lṛṭ Lakāra, Uttama Puruṣa)

(iv) भू - लट् लकार, प्रथम पुरुष

(Bhū – Laṭ Lakāra, Prathama Puruṣa)

(v) वद् - लङ् लकार, मध्यम पुरुष

(Vad – Laṁg Lakāra, Madhyama Puruṣa)

P.T.O.

(vi) पठ् - लृट् लकार, उत्तम पुरुष

(Paṭh – Lṛṭ Lakāra, Uttama Puruṣa)

(vii) पा - लट् लकार, प्रथम पुरुष

(Pā – Laṭ Lakāra, Prathama Puruṣa)

(घ) **किन्हीं पांच** धातु रूपों का लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : (5×1=5)

Write the Lakara, Purusa and Vacana of **any five** of the following :

(i) भवामि (Bhavāmi)

(ii) अपठत् (Apaṭhat)

(iii) लेखिष्यन्ति (Lekhiṣyanti)

(iv) खादतः (Khādataḥ)

(v) अचलन् (Acalan)

(vi) गमिष्यसि (Gamiṣyasi)

(vii) हसथः (Hasathaḥ)

3. निम्नलिखित किन्हीं पांच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate **any five** sentences into Sanskrit out of the following :

(i) तू कब पढ़ेगा ।

(When will you study?)

(ii) राम गीत गाता है ।

(Rama sings the song.)

(iii) तूने भोजन पकाया ।

(You cooked the food.)

(iv) मेघ बरसता है ।

(The cloud rains.)

(v) तुम चलते हो ।

(You walk.)

(vi) हम पत्र लिखेगें ।

(We write letters.)

(vii) तुम सब जल पीते हो ।

(You all drink water.)

4. रेखांकित पदों में से किन्हीं पांच पदों में विभक्ति पहचान कीजिए : (5×1=5)

Identify the inflection in **any five** of the following sentences :

(i) रामः बालकाय पुस्तकं यच्छति ।

(Rāmaḥ bālakāya pustakaṁ yacchati.)

(ii) विद्यालयं परितः जलमस्ति ।

(Vidyālayaṁ paritaḥ jalamati.)

(iii) सः दण्डेन चलति ।

(Saḥ dandena calati.)

(iv) देवाय स्वस्ति ।

(Devāya svasti.)

(v) रामस्य गृहं अस्ति ।

(Rāmasya grham asti.)

(vi) बालकः सर्पात् बिभेति ।

(Bālakaḥ sarpāt bibheti.)

(vii) गृहे माता अस्ति ।

(Gṛhe mātā asti.)

5. निम्नलिखित अव्ययों में से किन्हीं दो अव्ययों को चुनकर वाक्य निर्माण कीजिए : (2×1=2)

With the help of **any two** of the following form Sanskrit sentences :

तथा (Tathā), तत्र (Tatra), अथवा (Athavā), अद्य (Adya)

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं पांच वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : (5×2=10)

Fill in the blanks in **any five** of the following sentences :

(i) ते पत्रं _____ (अलिखः, अलिखन्, अलिखत्)

Te patraṁ _____ (alikhaḥ, alikhan, alikhat)

(ii) त्वं गृहं _____ (गच्छति, गच्छ, गच्छताम्)

Tvam gṛhaṁ _____ (gacchati, gaccha, gacchatām)

(iii) अहं उद्याने _____ (भ्रमन्ति, भ्रमामि, भ्रमसि)

Ahaṁ udyane _____ (bhramanti, bhramāmi, bhramasi)

(iv) माता भोजनं _____ (पचति, पचसि, पचामि)

Mata bhojanaṁ _____ (pacati, pacasi, pacāmi)

(v) कः जलं _____ (पिबसि, पिबामि, पिबति)

Kaḥ jalaṁ _____ (pibasi, pibāmi, pibati)

(vi) बालकः गुरुं _____ (नमन्ति, नमति, नमसि)

Balakaḥ guruṁ _____ (namanti, namati, namasi)

(vii) अहं फलं कदा _____ (खादिष्यति, खादिष्यामि, खादिष्यसि)

Aham phalaṁ kadā _____ (khādiṣyati, khādiṣyami, Khādiṣyasi)

(ख) निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** को शुद्ध कीजिए : (4×2=8)

Correct **any four** of the following :

(i) अहं पुष्पं घ्रामि ।

(Ahaṁ puṣpaṁ ghrāmi)

(ii) त्वं अस्ति ।

(Tvam asti.)

(iii) सः अत्र स्थाति ।

(Saḥ atra sthāti.)

(iv) भवती सत्यं वदति ।

(Bhavatī satyaṁ vadati.)

(v) यूयं पठन्ति ।

(Yūyaṁ paṭhanti.)

(vi) त्वं लिखामि ।

(Tvaṁ likhāmi.)

(vii) ते पुस्तकं लिखथ ।

(Te pustakaṁ likhatha.)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5189 **G**

Unique Paper Code : 12133901

Name of the Paper : Acting & Script Writing

Name of the Course : **B.A. (Hon.) SEC, LOCF**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.
4. Attempt question no. 4 in Sanskrit language only

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. प्रश्न संख्या 4 का उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

भाग – क
Part - A

1. लोकधर्मी तथा नाट्यधर्मी के मध्य के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

Explain the difference between Lokadharmi and Natyadharmi act.

अथवा / OR

समय, स्थान, और कार्य, एक नाटक में इनका कितना महत्त्व है विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

Describe the importance of Duration, space and action in a Drama. (10)

2. अर्थप्रकृति एवं कार्यावस्था का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

Describe Arthprakriti and Karyavastha in detail. (10)

अथवा / OR

संवाद के प्रकार का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

Describe the kinds of dialogue in detail.

3. अभिनय से आप क्या समझते हैं? वाचिक एवं सात्विक अभिनय का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

What do you understand by Abhinaya (Acting)? Describe Vaachik and Sattvik acting. (10)

अथवा / OR

अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के प्रसंग में पूर्वरंग और प्रस्तावना पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

Write a detail note on purvranga and Prastavana in the context of Abhigyanshakuntalam.

4. निम्नलिखित प्रश्न का संस्कृत भाषा में उत्तर दीजिये :

Answer the following question in Sanskrit Language : (07)

भूमिका निर्धारण के सामान्य नियमों का विस्तार से संस्कृत भाषा में वर्णन कीजिए।

Describe the general principles of Assignment of role in Sanskrit Language.

अथवा / OR

प्रमुख नाट्यप्रयोक्तागणों का परिचय देते हुए विस्तार से संस्कृत भाषा में वर्णन कीजिए।

Describe in detail while giving the definition of Natyaprayoktagana (Member of theatrical group) in Sanskrit Language.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लघु निबन्ध लिखिए : (5×5=25)

Write short notes on any **Five** of the following :

(i) विदग्ध

(Learned)

(ii) प्रवेशक

(Praveshaka)

(iii) गर्भ सन्धि

(Garbh Sandhi)

(iv) प्रासंगिक

(Subsidiary)

(v) नान्दी

(Nandi)

(vi) कुशल

(Skilful)

(vii) सुकुमार

(Delicate)

(viii) अवमर्श सन्धि

(Avamarsh Sandhi)

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तेरह** (13) प्रश्नों का उत्तर दीजिए :-

Write answer of any **Thirteen** of the following : (13×1=13)

(i) नाट्यशास्त्र के रचयिता कौन हैं?

Who wrote Natyashastra?

(ii) चूलिका से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by Chulika?

(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के विदूषक कौन हैं?

Who is the Jester of Play Abhigyanshakuntalam?

(iv) प्रतिमुख सन्धि किसे कहते हैं?

What is called 'Pratimukh Sandhi'?

(v) अंकास्य से आप क्या समझते है?

What do you understand by Ankasya?

(vi) आधिकारिक कथावस्तु की परिभाषा लिखें।

Write the definition of Principal plot.

(vii) नट किसे कहते है?

Who is called an Nata?

(viii) उत्पाद्य कथावस्तु किसे कहते हैं?

What is meant by Invented plot?

(ix) आकाशभाषित किसे कहते हैं?

What is called Akashabhasita?

(x) पटकथा लेखन से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by Script Writing?

(xi) नाट्य में आविद्ध की परिभाषा लिखिए।

Write the definition of Aaviddh in drama.

(xii) अंकावतार से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by Ankavtar.

(xiii) विष्कम्भक से आप क्या समझते है?

What do you understand by 'विष्कम्भक'?

(xiv) सन्धि किसे कहते हैं?

What is called junctures?

(xv) प्रख्यात कथावस्तु से क्या तात्पर्य है?

What is meant by legendary plot in Acting?

(xvi) अभिनय में जितश्रमी से क्या तात्पर्य है?

What is meant by 'जितश्रमी' in Acting?

(xvii) मुख सन्धि किसे कहते हैं?

What is called 'मुख सन्धि' ?

(ख)सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनां।।

(ग) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया
कण्ठः स्तम्भितबाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः ।।

(घ) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्माष्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

2. उपमा कालिदासस्य की समीक्षा कीजिए। 9
Critically examine उपमा कालिदासस्य

अथवा /or

अभिज्ञानशाकुन्तल के चतुर्थ अंक का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।
Describe the importance of 4th Act of *Abhigyanshakuntal.*

3. संस्कृत नाटक के उद्भव और विकास पर निबन्ध लिखिए। 9
Write an essay on the origin and development of Sanskrit Drama.

अथवा /or

मुद्राराक्षस के द्वितीय अङ्क का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।
Write the summary of 2nd Act of *Mudrarakshas* in your own words.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की विवेचना कीजिए: 6x2=12
Discuss any **two** of the following:

(i) अन्यादरः शङ्कनीयः
(ii) काव्येषु नाटकं रम्यम्
(iii) भास के नाटक
(iv) भवभूति
(v) भट्टनारायण

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 4x3=12
Write short notes on any **three** of the following:

(i) नान्दी
(ii) अंकास्य
(iii) प्रवेशक
(iv) स्वगत
(v)भरतवाक्य

(500)

This question paper contains 2 printed pages.

Sl. No. of Q.P. : 526
Unique Paper Code : 2132102301
Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (DSC-7)
Name of the Course : B.A (Hon.) Sanskrit
Semester : III
Duration: 3 Hours Maximum Marks: 90

(Write your Roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.)
(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question answers should be written *either* in **Sanskrit** *or* in **Hindi** *or* in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer all questions. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक में से किन्हीं **तीन-तीन** पद्यों का अनुवाद एवं विस्तृत व्याख्या कीजिए।
Translate and explain in details any **three** verses from part A and part B each. **8x6=48**

भाग-अ [Part-A]

(क) कौलूतश्चित्रवर्मा मलयनरपतिः सिंहनादो नृसिंहः
काश्मीरः पुष्कराक्षः क्षतरिपुमहिमा सैन्धवः सिन्धुषेणः।
मेघाक्षः पञ्चमोऽस्मिन् पृथुतुरगबलः पारसीकाधिराजो
नामन्येषां लिखामि ध्रुवमहमधुना चित्रगुप्तः प्रमार्ष्टु॥

(ख) पृथिव्यां किं दग्धाः प्रथितकुलजा भूमिपतयः
पतिं पापे मौर्यं यदसि कुलहीनंवृतवती।
प्रकृत्या वा काशप्रभवकुसुमप्रान्तचपला
पुरन्ध्रीणां प्रज्ञा पुरुषगुणविज्ञानविमुखी॥

(ग) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैःपुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमगुणास्त्वमिवोद्वहन्ति॥

(घ) परार्थानुष्ठाने रहयति नृपं स्वार्थपरता
परित्यक्तस्वार्थो नियतमयथार्थः क्षितिपतिः।
परार्थश्चेत् स्वार्थादभिमततरो हन्त परवान्
परायत्तः प्रीतेः कथमिव रसं वेत्ति पुरुषः॥

भाग-ब [Part-B]

(क) नीवाराः शुकगर्भ कोटरमुखभ्रष्टास्तरूणामधः
प्रस्निग्धाः क्वचिदिङ्गुदीफलभिदः सूच्यन्त एवोपलाः।
विश्वासोपगमादभिन्नगतयः शब्दं सहन्ते मृगा-
स्तोयाधारपथाश्च वल्कलशिखानिष्यन्दरेखाङ्किताः॥

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5475 **G**

Unique Paper Code : 12131303

Name of the Paper : Indian Social Institutions & Polity

Name of the Course : **B.A. Hons. LOCF, Sanskrit**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अधोलिखित में से किन्हीं **चार** के उत्तर दें- (15×4=60)

Answer any **four** from the following :

(i) प्राचीन भारतीय विवाह-व्यवस्था पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Ancient Indian marriage System.

(ii) प्राचीन भारत में सामाजिक संस्थाओं की विवेचना करें।

Explain the Social Institutions in ancient India.

(iii) संस्कृत साहित्य में धर्म विषयक प्रमुख सिद्धांतों की विवेचना करें।

Elucidate cardinal theories on Dharma in Sanskrit Literature.

(iv) वेदों से बुद्ध तक राजनीति के विकास की प्रक्रिया की समीक्षा कीजिए।

Critically analyze the development of Polity from Vedas to Buddha.

(v) भारतीय राजशास्त्र का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Give the introduction of Indian polity.

(vi) राजनीतिशास्त्र के उद्भव तथा विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on origin and development of Indian Polity.

2. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी करें- (3×3=9)

Comment upon any **three** of the following :

पञ्चयज्ञ, षोडश संस्कार, सप्ताङ्ग सिद्धांत, प्राचीन भारत में स्त्री

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत व्याख्या करें- (1×6=6)

Explain any **one** of the following in Sanskrit –

(i) अराजके हि लोकेऽस्मिन् सर्वतो विद्रुते भयात् ।

रक्षार्थमस्य सर्वस्य राजानमसृजत्प्रभुः ॥

(ii) सोमस्तासामदाच्छौचं गंधर्वः शिक्षितां गिरम् ।

अग्निश्च सर्वभक्षित्वं तस्मान्निष्कसमाः स्त्रियः ॥

(iii) वेदः स्मृतिः सदाचारः स्वस्य च प्रियात्मनः ।

एतत्चतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम् ॥

Sl NO of QP : 658A

Unique Paper Code	:	2132102303
Name of the Paper	:	Indian Epigraphy
Name of the Course	:	B.A. (Hons.)-DSC
Semester	:	III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

- Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
- Answer all the questions. All questions have equal marks.
- Answers may be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** in **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश:

- इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।
- इस प्रश्न-पत्र के उत्तर **संस्कृत हिंदी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. अभिलेखों के विभिन्न प्रकारों का विवेचन कीजिए । 18

Discuss the different types of inscriptions.

or/ अथवा

भारतीय इतिहास के पुनर्निर्माण में अभिलेखों का महत्त्व प्रतिपादन कीजिए।

Discuss the importance of inscriptions in the reconstruction of Indian History.

2. भारत में अभिलेखशास्त्रीय अध्ययन के इतिहास पर प्रकाश डालिए। 18

Throw light on the History of Epigraphical Studies in India.

or/अथवा

प्राचीन भारतीय लिपियों के स्पष्टीकरण के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the History of Decipherment of Ancient Indian Scripts.

3. भारत में लेखन कला की प्राचीनता पर प्रकाश डालिए। 18

Throw light on the antiquity of the Art of Writing.

or/अथवा

अभिलेखीय लेखन सामग्री का विवेचन कीजिए।

Review the Mahabharata as a source text.

4. प्राचीन भारत की काल-निर्धारण- पद्धति का विवेचन कीजिए। 18

Discuss the system of chronology prevailing in Ancient India.

or/अथवा

भारतीय अभिलेखों में प्रयुक्त तिथ्यंकन- पद्धति पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the dating system in the Indian inscriptions.

5. निम्नलिखित के से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए । 6x3=18

Write a short note on any **three** of the following.

I. डी. आर. भंडारकर (D.C. Sircar)
II. फ्लीट (Feet)
III. गौरीशंकर ओझा (Gaurishankar Ojha)
IV. ब्राह्मी लिपि (Brahmi Scrip)
V. मौर्य संवत् (Maurya Samvat)
VI. शक संवत् (Saka Samvat)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5311 **G**

Unique Paper Code : 12131302

Name of the Paper : Poetics and Literary Criticism

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. संस्कृत साहित्यशास्त्र के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (10)

Discuss the origin and development of Sanskrit Poetics.

अथवा / OR

मम्मट के अनुसार काव्यप्रयोजन की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the Kavya Prayojan (काव्य-प्रयोजन) according to Mammata.

2. संस्कृत साहित्यशास्त्र को आचार्य विश्वनाथ के योगदान पर प्रकाश डालिए। (10)

Describe the contribution of Acharya Vishvanath to Sanskrit Poetics.

अथवा / OR

कथा और आख्यायिका का परिचय देते हुए दोनों के अंतर को बताए।

Introduce Katha and Akhyayika and discuss the differences between the two.

3. साहित्यदर्पण के अनुसार खण्डकाव्य और चम्पूकाव्य का परिचय दीजिए। (10)

Write an introduction to khandkavya and Champukavya according to Sahityadarpana.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the followings :

(i) काव्य-हेतु

(ii) साहित्यशास्त्र

(iii) काव्य-लक्षण

(iv) रूपक

(i) प्रतिकूलतामुपगते हि विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता ।
अवलम्बनाय दिनभर्तुरभून्न पतिष्यतः करसहस्रमपि ।।

(ii) गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्तुतं चेतः ।
चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवातं नीयमानस्य ।।

(iii) स्वयमाहृत्य भुञ्जाना बलिनोऽपि स्वभावतः
गजेन्द्राश्च नरेनन्द्राश्च प्रायः सीदन्ति दुःखिताः ।।

(iv) आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम् ।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः ।।

7. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों का लक्षण एवं गणनिर्देश पूर्वक उदाहरण दीजिए : (3×2=6)

Define and illustrate any **two** of the following Meters :

अनुष्टप्, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित, उपजाति

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइए : (2×2=4)

Scan and name the meter in any **two** of the followings :

(i) कः पौरवे वसुमतीं शासति शासितरि दुर्विनीतानाम्
अयमाचरत्यविनयं मुग्धासु तपस्विकन्यासु ।।

(ii) यदि यथा वदति क्षितिपस्तथा
त्वमसि किं पितुरुत्कुलया त्वया ।
अथ तु वेत्सि शुचि व्रतमात्मनः
पतिकुले तव दास्यमपि क्षमम् ।।

(iii) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां
यदर्धे विच्छिन्नं भवति कृतसन्धानमिव तत् ।
प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयो -
र्न मे दूरे किंचित्क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात् ।।

(iv) तीव्राघातप्रतिहततरस्कन्धलग्नैकदन्तः

पादाकृष्टव्रततिवलयासङ्गसञ्जातपाशः ।

मूर्तो विघ्नस्तपस इव नो भिन्नसारङ्गयूथो

धर्मारण्यं प्रविशति गजः स्यन्दनालोकभीतः ॥

LR 202 (3)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 581 **G**

Unique Paper Code : 2132102302

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : **B.A. (Hons.) – DSC**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. भाषाविज्ञान के प्रमुख अंगों का विवेचन कीजिए। (15)

Discuss the main parts of linguistics

अथवा / OR

भाषा का अर्थ बताते हुए उसकी परिभाषा बताइये।

Explain the meaning of language and give its definition.

2. भाषाविज्ञान के अनुसार पदविज्ञान का परिचय दीजिए। (15)

Introduce terminology (पदविज्ञान) according to linguistics.

अथवा / OR

संस्कृत की दृष्टि से अर्थविज्ञान का वर्णन कीजिये।

Describe semantics from Sanskrit point of view.

3. मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत के विकास पर प्रभाव डालिए। (15)

Describe the development of Sanskrit from the original Indo-European languages.

अथवा / OR

भारतीय भाषा परिवार का परिचय दीजिए।

Introduce the Indian language family.

4. तुलनात्मक भाषा विज्ञान में संस्कृत के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। (15)

Throw light on the importance of Sanskrit in comparative linguistics.

अथवा / OR

भाषाशास्त्र के विकास में संस्कृत के योगदान को स्पष्ट कीजिये।

Explain the contribution of Sanskrit in the development of philology.

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक संस्कृत में हो- (7.5×4=30)

- मूल भाषा
- वाक्य के प्रकार
- प्राकृत
- ध्वनिपरिवर्तन के कारण
- पाणिनि - भिन्न व्याकरण संप्रदाय
- भाषा विज्ञान का नामकरण

Write a comment on **any four** of the following, one of which should be in Sanskrit –

- Original language
- Types of sentences
- Prakrit
- Reasons for sound change
- Panini–different grammar schools
- Nomenclature of linguistics

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2291-A **G**

Unique Paper Code : 2135001005

Name of the Paper : Tools and Techniques for Computing Sanskrit Language

Name of the Course : **Common Prog Group – GE**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. संस्कृत व्याकरण उपकरणों का वर्णन कीजिए । (16)

Describing the Grammar Tools for Sanskrit.

अथवा / OR

संस्कृत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और वितरण के संगणन पर एक निबन्ध लिखिए ।

Write an essay on the computation of preservation and delivery of cultural Heritage of Sanskrit.

2. शब्दविज्ञान पर एक निबन्ध लिखिए । (16)

Write an essay on Morphology.

अथवा / OR

अर्थविज्ञान का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।

Give the introduction of Semantics.

3. संस्कृत भाषा संगणन पर एक सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए । (16)

Give the survey on Sanskrit Languages Computing.

अथवा / OR

भारतीय भाषासंगणन पर कार्य करने वाले विभिन्न संस्थानों में होने वाले कार्यों का विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Give the details of the works being conducted in the various institutes on Indian Languages computing.

4. भाषा संगणन की संकरित विधि का विस्तार से वर्णन कीजिए । (16)

Describe the Hybrid method of language Computing in detail.

अथवा / OR

भाषा संगणन की उदाहरण आधारित विधि का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

Describe the Example based method of language Computing in details.

P.T.O.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (6.5×4=26)

Write short notes on **any four** of the following :

(i) शब्दकोश

(Lexicon)

(ii) ध्वनिविज्ञान

(Phonology)

(iii) वाक्यविज्ञान

(Syntax)

(iv) भाषा तकनीक

(Language Technology)

(v) सांख्यकीय विधि

(Statistical Methods)

(vi) मशीनी अनुवाद

(Machine Translation)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5427 **G**

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : **B.A (H.) Sanskrit (DSE) (LOCF)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (12×3=36)

Answer **any three** of the following questions :

(i) पातञ्जलयोगदर्शन में वर्णित अष्टांग-योग का वर्णन कीजिए।

Describe the Aṣṭāṅgayoga as mentioned in the Yoga philosophy of Patanjali.

(ii) 'श्रोतव्य श्रुतिवाक्येभ्यो मन्तव्यश्चोपपत्तिभिः।' के आधार पर ब्रह्मसाक्षात्कार के साधन श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन का वर्णन कीजिए।

Describe the nature of Hearing (sravana), Reflection (manana) and meditation (nididhyasana) as methods of Self-presentation on this basis the statement 'Srotavya srutivakyebhyo mantavyascopapattibhih".

(iii) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्म-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of "Karma-Yoga" for a balanced living on the basis of Gita.

(iv) योगदर्शन में प्रतिपादित योग के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए चित्तवृत्तिनिरोध के उपायों का वर्णन कीजिए।

Explaining the nature of yoga as describe in the Yoga philosophy, elucidate the methods of Cittavṛttinirodha.

(v) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'भक्ति-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of 'Bhakti-Yoga' for a balanced living on the basis of Gita.

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×5=25)

Explain the following :

(क) अध्यात्मज्ञाननित्यत्वं तत्त्वज्ञानार्थदर्शनम् ।

एतज्ज्ञानमिति प्रोक्तमज्ञानं यदतोऽन्यथा ॥

अथवा / OR

यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ ।

समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते ॥

(ख) संकल्पप्रभवान्कामांस्त्यक्त्वा सर्वानशेषतः ।

मनसैवेन्द्रियग्रामं विनियम्य समन्ततः ॥

अथवा / OR

यतो यतो निश्चरति मनश्चञ्चलमस्थिरम् ।

ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत् ॥

(ग) मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु ।

मामेवैष्यसि युक्त्वैवमात्मानं मत्परायणः ॥

अथवा / OR

समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रियः ।

ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम् ॥

(घ) सन्नियम्येन्द्रियग्रामं सर्वत्र समबुद्धयः ।

ते प्राप्नुवन्ति मामेव सर्वभूतहिते रताः ॥

अथवा / OR

ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते ।

श्रद्दधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः ॥

(ङ) यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः ।

भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात् ॥

अथवा / OR

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ॥

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :- (3.5×2=7)

Explain any **two** of the following :

(क) तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः प्राणायामः ।

(ख) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम् ।

(ग) तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः ।

4. निम्नलिखित में से **किसी** एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए:- (7)

Write short note in **Sanskrit** of any **one** of the following :

(क) नियमा:

(ख) समाधि

(ग) आसन

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5591 **G**

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Name of the Course : **B.A. (H) DSE**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answers **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आयुर्वेद के प्रमुख आचार्यों का उल्लेख करते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए। (15)

Express the contribution of prominent ayurvedacharya.

अथवा

चरकपूर्व आयुर्वेद की ऐतिहासिक परम्परा पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the history of before the charaka ayurveda treaditions.

2. आयुर्वेद की पुनर्वसु परम्परा का ऐतिहासिक विवेचन कीजिए। (15)

Write the history punarvasu traditions in ayurveda.

अथवा

आयुर्वेदावतरण का विस्तृत वर्णन करते हुए आयुर्वेद की दैवीय व लौकिक उत्पत्ति को सचित्र स्पष्ट कीजिए।

Describe the beginning of Ayurveda. Draw a diagram showing its Divine and Laukika beginning.

3. आदानकाल एवं विसर्गकाल में रुक्षता, रस और दुर्बलता के कारणों का विवेचन कीजिए। (15)

Discuss about the cause of dryness, fluid (rasa) and weakness in solistis.

अथवा

आयुर्वेद में वर्णित त्रिदोष, त्रिमल, पञ्चमहाभूत, सप्तधातु एवं त्रयोदशाग्नि का विवेचन करें।

Explain Tridosha, Trimala, Panchmahabuta, Saptadhatu and Trayodashaagni according to Ayurveda.

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर टिप्पणी लिखिए - (5×3=15)

Write a note on **any three** of the following :

(i) वसन्त ऋतुचर्या

(ii) हेमन्त ऋतुचर्या

(iii) शिशिर ऋतुचर्या

(iv) आहार - विहार

(v) वर्षा ऋतु में अपथ्य

(vi) वाजीकरण

5. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

Write the importance about Life and food according to bhriguvalli of taittiriyopanishad. (15)

अथवा

भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Write the importance of Life and Food according to Bhriguvalli.

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5264 **G**

Unique Paper Code : 12131502

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : **B.A. (H)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग क / Section A

1. निम्नलिखित किन्हीं **चार** वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : (4×2=8)

   Write the स्थान and आभ्यन्तर प्रयत्न of any **four** words of the following :

   इ, ग, झ, ण, लृ, व, ऐ, व्

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए : (2×3=6)

   Explain with examples any **two** technical terms of the following :

   लोपः, ह्रस्वः, उदात्तः, सवर्णम्, संयोगः

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (4×1=4)

   Write the letters of any **four** of the प्रत्याहार.

   अक्, एङ्, इण्, झष्, यर्, शर्, झय्

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का सूत्रनिर्देश पूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए : (5×2=10)

   Disjoin Sandhis in any **five** of the following quoting relevant sutras :

   मद्ध्वरिः, विष्णवे, उपेन्द्रः, रामश्शेते, वागीशः, शिवो वन्द्यः, अघो याहि

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

   Explain and illustrate any **two** of the following :

   आदिरन्त्येन सहेता, सुप्तिङन्तं पदम्, तपरस्तत्कालस्य, एङि पररूपम्, ष्टुना ष्टुः

भाग ख / Section B

6. अन्विति 1 से तीन तथा अन्विति 2 से दो पदों को चुनकर कुल **पांच** पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक समास सिद्धि कीजिए : (5×3=15)

   Choosing **Three** compounds from Unit 1 and **two** compounds from Unit 2, explain total five formations with relevant sutras with their names :

   अन्विति 1

   अधिहरि, ग्रामगतः, चोरभयम्, नीलोत्पलम्, अनश्वः

   अन्विति 2

   कण्ठेकालः, धर्मार्थौ, शिवकेशवौ, पितरौ

P.T.O.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following sutras :

उपसर्जन पूर्वम्, षष्ठी, नदीभिश्च, तस्माच्छुडचि, अजाद्यदन्तम्

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों में प्रकृति - प्रत्यय स्पष्ट कीजिए : (5×2=10)

Justify प्रकृति - प्रत्यय in any **five** compounds of the following :

अङ्गुलीयम्, अश्मनयम्, गोत्वम्, दण्डी, औपगवः, दाक्षिः, काकम्, विश्यम्, कण्ठ्यम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रकृति - प्रत्ययों को संयुक्त करते हुए पद - निर्माण कीजिए : (3×2=6)

Among the following प्रकृति - प्रत्यय, combine any **three** of them to form the respective compounds:

विनता + ढक्, ग्राम + तल्, जिह्वामूल + छ, पृथु + इमनिच्, जड + ष्यञ्, पण्डा + इतच्

(4)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5223 **G**

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit, Core**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1 इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से **एक–एक** मन्त्र की व्याख्या कीजिए :

Explain One Mantra from each section : (6×2=12)

खण्ड (क)

Section (I)

(अ) अग्निनारयिमश्नवत्पोषमेवदिवेदिवे।
यशसंवीरवत्तमम्॥

(आ) येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत्परिगृहीतममृतेन सर्वम्।
येन यज्ञस्तायते सप्तहोतातन्मेमनःशिवसंकल्पमस्तु॥

खण्ड (ख)

Section (II)

(अ) ऋतावरीदिवो अर्कैरबोध्यारेवती रोदसी चित्रमस्थात्।
आयतीमग्न उषसंविभातींवाममेषिद्रविणं भिक्षमाणः॥

(आ) नीचावर्तन्ते उपरिस्फुरन्त्यहस्तासोहस्तवन्तं सहन्ते।
दिव्या अंगाराइरिणेन्युप्ताःशीताःसन्तोहृदयंनिर्दहन्ति॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का अनुवाद कीजिए : (12)

Translate any **three** out of the following Mantras :

(क) सत्यं बृहदृतमुग्रंदीक्षातपो ब्रह्मयज्ञःपृथिवीं धारयन्ति।
सानोभूतस्य भव्यस्यपत्न्युरुंलोकं पृथिवीनः कृणोतु॥

(ख) यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदु सुप्तस्य तथैवैति ।
दूरंगमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु ॥

(ग) तत्रापराऋग्वेदोयजुर्वेदःसामवेदोऽथर्ववेदः
शिक्षाकल्पोव्याकरणं निरुक्तं छन्दोज्योतिषमिति।
अथ परायया तदक्षरम् अधिगम्यते।।

(घ) मन्त्रेषु कर्माणि कवयोयान्यपश्यंस्तानित्रेतायांबहुधा सन्ततानि।
तान्याचरथनियतंसत्यकामाएषवःपन्थासुकृतस्यलोके।।

(ङ) अविद्यायाम् अन्तरे वर्तमानाःस्वयंधीराःपंडितं मन्यमानाः।
जंघन्यमानाः परियन्तिमूढाः अन्धेन एवनीयमानायथा अन्धाः।।

3. उषस् के वैदिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (10)

Describe the Vedic features of Usas.

अथवा / Or

सामनस्यम्सूक्त के सामाजिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Describe the Social importance of Sammanasyam Sukta.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए: (3×2=6)

Write note on any **Two** of the following :

(क) क्त्वार्थकप्रत्यय

(ख) वैदिकस्वरित

(ग) तुमर्थकप्रत्यय

(घ) लेट्लकार

5. प्रश्नसंख्या एक से किसी एक मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। (6)

Render into Padapatha any **One** of the Mantras from section A of question No. 1.

अथवा / Or

पदपाठ के प्रमुख छः नियमों का सोदाहरण वर्णन करें।

Describe the **Six** main rules of Padapatha.

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक मन्त्र लेकर कुल दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : (6×2)

Explain any Two Mantras choosing one from each section :

खण्ड (क)

Section (I)

(अ) यथोर्णनाभिः सृजते गृह्णतेच यथा पृथिव्यामोषधयः सम्भवन्ति ।

यथासतः पुरुषात्केषलोमानितथाक्षरात्सम्भवतीह विश्वम् ।।

(आ) यः सर्वज्ञः सर्वविद्यस्य ज्ञानमयंतपः ।

तस्मादेतद्ब्रह्म नामरूपमन्नं चजायते ।।

खण्ड (ख)

Section (II)

(अ) द्वासुपर्णासयुजासखाया

समानंवृक्षंपरिषस्वजाते ।

तयोरन्यः पिप्पलंस्वाद्वत्त्य्-

अनश्नन्यो अभिचाकशीति ।।

(आ) कालीचकरालीचमनोजवाचसुलोहितायाचसुधूम्रवर्णा ।

स्फुलिंगिनीविष्वरुचीचदेवी लेलायमाना इति सप्तजिह्वा ।।

7. मुण्डकोपनिषद् का दार्शनिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए । (10)

Describe the Philosophical importance of Mundkopanishada.

अथवा / Or

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परमात्मा का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए ।

Describe about Parmatama according to Mundkopnishada.

P.T.O.

8. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (7)

Explain this Mantra in Sanskrit Language.

(क) अग्नेः यंयज्ञगध्वरविश्वतः परिभूरसि ।

सइद्देवेषुगच्छति ॥

अथवा / Or

(ख) तपसाधीयतेब्रह्मततः अन्नम् अभिजायते ।

अन्नात्प्राणः मनः सत्यं लोकाः कर्मसुच अमृतम् ॥